ISSN 2349-5596

CERC
Since 1978

ग्रीन इनसाइट्स

न्यूज़लेटर ओन 'इनवार्नयमेंट लिट्रसी- इको-लेबलींग एंड इको-फ्रेंडली प्रोडक्टस'

वॉल्यूम १७ नंबर १, अप्रैल-जून २०२२

CERC में आयोजित ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम पर रिपोर्ट: २०२१-२२

स्पोन्सर्ड बाय:

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ENVIS रिसोर्स पार्टनर ओन:
इनवार्नयमेंट लिट्रसी - इको-लेबलींग एंड इको-फ्रेंडली प्रोडक्टस

श्री प्रफुल अमीन
CERC, चेयरमैन

उदय मवानी
चीफ एग्ज़ीक्यूटीव ऑफिसर

संपादकीय टीम

अनिन्दिता मेहता
ENVIS प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर

दिव्या नंबूदिरी
प्रोग्राम ऑफिसर

अपेक्षा शर्मा
इन्फॉर्मेशन ऑफिसर

मयुरी टांक
आइ. टी. ऑफिसर

IZGARA DESIGN
डिज़ाइन और ग्राफिक्स

ग्रीन इनसाइट्स
अप्रैल-जून २०२२

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना २

'इको-फ्रेंडली पद्धतियों के साथ खाद्य परीक्षण लेबोरेटरी के लिए लेबोरेटरी असिस्टेंट' के सर्टिफिकेट कोर्स पर रिपोर्ट ३

'पर्यावरणीय मानदंड के लिए एनर्जी एफिशियंसी, स्टार लेबलिंग और अन्य इलेक्ट्रिकल परीक्षण के लिए लेबोरेटरी तकनीशियन/ टेक्निकल असिस्टेंटट' के सर्टिफिकेट कोर्स पर रिपोर्ट ७

प्रस्तावना

दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के नाते भारत में विशाल युवा कामकाजी आबादी मौजूद है। भारत को इस जनसंख्या का अतिरिक्त लाभ प्राप्त है, हालांकि, बहुत कम व्यावसायिक कौशल के साथ स्कूल छोड़ने की उच्च दर इस लाभ को प्राप्त करने में बाधा पैदा करती है। भारत में पर्यावरण/ वन क्षेत्रों में विभिन्न स्तरों पर संज्ञानात्मक (कोग्निटिव) और व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) दोनों कौशल सेट्स की मांग और आपूर्ति में अंतर मौजूद है।

अधिकांश व्यावसायिक ट्रेनिंग प्रोग्राम 'सॉफ्ट' या 'ग्रीन' कौशल के बजाय यांत्रिक/ तकनीकी कौशल पर केंद्रित होते हैं। माननीय प्रधान मंत्री के कौशल भारत मिशन के अनुरूप, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) ने ENVIS हब/ RP के विशाल नेटवर्क और विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए, भारत के युवाओं को लाभकारी रोजगार और/ या स्वरोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए पर्यावरण और वन क्षेत्र में कौशल विकास के लिए हरित कौशल विकास कार्यक्रम (GSDP) नामक पहल शुरू की है। इस कार्यक्रम का प्रयास तकनीकी ज्ञान और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता वाले हरित कुशल कार्यकर्ताओं को तैयार करना है, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (NDC), सतत विकास लक्ष्यों (SDG), राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों (NBT) के साथ अपशिष्ट प्रबंधन नियमों (२०१६) को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

२०१८ से CERC हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत दो कोर्स आयोजित कर रहा है। ये दो कोर्स इस प्रकार हैंः 'पर्यावरणीय मानदंड के लिए एनर्जी एफिशियंसी, स्टार लेबलिंग और अन्य इलेक्ट्रिकल परीक्षण के लिए लेबोरेटरी तकनीशियन/ टेक्निकल असिस्टेंट' और 'पर्यावरण अनुकूल खाद्य परीक्षण लेबोरेटरी के लिए लेबोरेटरी असिस्टेंट'।

ये दो महीने के आवासीय कार्यक्रम हैं जिनमें ट्रेनिंग, रहने और खाने की सुविधा निःशुल्क है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य खाद्य लेबोरेटरी के साथ-साथ विद्युत लेबोरेटरी में लेबोरेटरी असिस्टेंट/ तकनीशियन के लिए जरूरी पर्यावरण अनुकूल कौशल विकसित करना है।

इस वर्ष हमारा चौथा बैच था जिसने MoEF&CC के हरित कौशल कार्यक्रम के प्रति उद्योगों और शिक्षाविदों में काफी सीख और उत्साह पैदा किया था। इस वर्ष उदाहरण के लिए, विशेषज्ञों ने हमें दोनों कोर्सों के लिए अधिक बैच और कामकाजी पेशेवरों के लिए हरित कौशल, हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में हरित प्रथाओं आदि पर शोर्ट टर्म कोर्सों के लिए सुझाव दिए। इस तरह की हरित कौशल गतिविधि की व्यापक प्रसार स्वीकृति के साथ, अब हम पर्यावरण के लिए सतत जीवन पर ENVIS लक्ष्यों की दिशा में योगदान करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं। ग्रीन इनसाइट्स का यह अंक CERC में आयोजित दो GSDP कोर्सों के चौथे बैच पर प्रकाश डाल रहा है।

'इको-फ्रेंडली पद्धतियों के साथ खाद्य परीक्षण लेबोरेटरी के लिए लेबोरेटरी असिस्टेंट' के सर्टिफिकेट कोर्स पर रिपोर्ट

सुश्री अनिंदिता मेहता
कोर्स इन-चार्ज, ENVIS कोऑर्डिनेटर और CGM
कंज्यूमर एजुकेशन एंड रिसर्च सेन्टर, अहमदाबाद

खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने में खाद्य लेबोरेटरी तकनीशियन बहुत महत्वपूर्ण हैं। जैसे-जैसे खाद्य प्रोसेसिंग यूनिटें तेजी से बढ़ रही हैं, वैसे-वैसे परीक्षण लेबोरेटरियों में ट्रेन्ड प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ती जा रही है। कंज्यूमर एजुकेशन एंड रिसर्च सेन्टर - एक ENVIS रिसोर्स पार्टनर ने हरित लेबोरेटरी प्रथाओं पर जोर देने के साथ खाद्य उद्योगों को ट्रेनिंग की व्यापक और प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए इस कोर्स को तैयार किया था। इस कोर्स का उद्देश्य प्रासंगिक लेबोरेटरी और औद्योगिक विज़िट के साथ कक्षा गतिविधि और प्रायोगिक ट्रेनिंग के माध्यम से अपेक्षित ज्ञान और कौशल प्रदान करना है।

यह कोर्स राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (NSDA) ढांचे के राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (NSQF) स्तर ६ का अनुपालन करता है। कोर्स २२५ घंटे के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसमें छात्रों को खाद्य लेबोरेटरियों में उपयोग की जाने वाली विभिन्न विश्लेषणात्मक तकनीकों में बुनियादी जानकारी और प्रायोगिक ट्रेनिंग मिलता है। उन्हें पोषण संबंधी पहलुओं, खाद्य सुरक्षा मानकों और लेबोरेटरी मान्यता प्रणाली से परिचित कराया जाता है। उन्हें अच्छी लेबोरेटरी प्रथाओं (GLP), FSSAI विनियमन, खाद्य अपमिश्रण और त्वरित पहचान विधियों, नमूनाकरण प्रक्रियाओं, डॉक्यूमेंटेशन, लेबोरेटरी उपकरणों का संचालन, अंशांकन और रखरखाव पर भी जानकारी प्रदान की जाती है। कोर्स के माध्यम से पर्यावरण के अनुकूल लेबोरेटरी जल प्रबंधन और लेबोरेटरी सुरक्षा उपायों के बारे में भी जानकारी दी जाती है।

उम्मीदवारों का चयन

समाचार पत्रों, वेबसाइट और सोशल मीडिया में दिए गए विज्ञापनों के माध्यम से चयन की प्रक्रिया जनवरी २०२२ में शुरू हुई थी। चयन प्रक्रिया ऑनलाइन आवेदन जमा करने के बाद टेलीफोन/ G-मीट इंटरव्यू के माध्यम से आयोजित की गई थी। हमें १०१ आवेदन प्राप्त हुए जिन्हें पात्रता मानदंड के अनुसार छांटा गया और शॉर्टलिस्ट किया गया था। इनमें से १५ उम्मीदवारों का उनकी मूल क्षमताओं के आधार पर ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए चयन किया गया था। अहमदाबाद से बाहर के उम्मीद वार लगभग १३ थे और २ स्थानीय छात्र थे। चयनित प्रशिक्षणार्थी (ट्रेनीज़) विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रसायन विज्ञान, खाद्य और पोषण, सूक्ष्म जीव विज्ञान और खाद्य प्रौद्योगिकी से ग्रेजुएट/ पोस्ट ग्रेजुएट थे।

ट्रेनिंग का प्रारंभ

उद्घाटन समारोह २१ फरवरी, २०२२ को आयोजित किया गया था। इसकी शुरुआत ENVIS प्रोजेक्ट की प्रोग्राम ऑफिसर, सुश्री दिव्या नंबूदिरी के स्वागत भाषण से हुई। CERC के चेयरमैन श्री प्रफुल अमीन को गेस्ट ऑफ़ हॉनर के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्री अमीन ने ज्ञानवर्धक भाषण दिया और खाद्य क्षेत्र और इसकी सेवाओं में उपभोक्ता अधिकारों और विनियमों से संबंधित कुछ चिंताओं को उठाया। निम्नलिखित प्रतिनिधियों द्वारा समारोह की शोभा बढ़ाई गई। FDCA के कमिश्नर डॉ. एच.जी. कोशिया को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। डॉ. कोशिया ने खाद्य अपमिश्रण और खाद्य सुरक्षा पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने खाद्य उद्योग में कदाचार के कुछ मामलों को भी साझा किया। सुश्री दीपिका चौहान, निदेशक परिशील लेबोरेटरी और पूर्व उपायुक्त FDCA को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने FDCA और FSSAI की कार्यप्रणाली के बारे में छात्रों को बताया। सुश्री अनिंदिता मेहता, ENVIS कोऑर्डिनेटर और CGM CERC ने छात्रों को CERC में ENVIS परियोजना के तहत की गई गतिविधियों और पर्यावरण-लेबलिंग और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के महत्व के बारे में जानकारी दी। बाद में उन्होंने श्रोताओं को कोर्स के बारे में भी बताया।

दूसरा सेशन उपभोक्ता अधिकारों और विनियमों और विभिन्न विभाग प्रमुखों द्वारा CERC के मुख्य कार्य पर ब्रीफिंग के लिए समर्पित था। कार्यक्रम के अंत में, छात्रों के साथ एक संवाद सत्र रखा गया था और CERC ENVIS की इन्फोर्मेशन ऑफिसर, सुश्री अपेक्षा शर्मा ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया

इंटरनल और एक्सटर्नल फैकल्टी

प्रैक्टिकल ट्रेनिंग को CERC की इन-हाउस लेबोरेटरी में आयोजित किया गया और इसका संचालन सुश्री कनकलता गोस्वामी, सीनियर लेबोरेटरी असिस्टेंट ने किया। निम्नलिखित इंटरनल और एक्सटर्नल फैकल्टी ने इस कार्यक्रम को सफल बनायाः

इंटरनल फैकल्टीः

१. सुश्री अनिंदिता मेहता, कोर्स इन-चार्ज
२. सुश्री दीपिका चौहान, परियोजना प्रमुख, CERC
३. सुश्री कनकलता गोस्वामी, लेबोरेटरी प्रदर्शक

एक्सटर्नल फैकल्टीः

१. श्री अतुल सोनी, पूर्व गुणवत्ता प्रबंधक, सार्वजनिक लेबोरेटरी - AMC
२. सुश्री मीनल पांडे, पूर्व BIS वैज्ञानिक, आश्वी टेक्नोलॉजी LLP, अहमदाबाद में सहायक निदेशक और तकनीकी प्रबंधक
३. डॉ. नीरज पांडे, नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (NABL) के प्राधिकृत लीड एसेसर और तकनीकी मूल्यांकनकर्ता और सेंटर फॉर फूड एंड वाटर टेस्टिंग टेक्नोलॉजी, मुंबई के निदेशक
४. श्री पल्लव मोइत्रा, ईस्ट वेस्ट हॉस्पिटैलिटी के CEO और MD
५. श्री प्रियेश अमीन, CEO एक्युरेट लेबोरेटरी और निदेशक - गुणवत्ता आश्वासन आश्वी टेक्नोलॉजी LLP, अहमदाबाद
६. प्रोफेसर जे.बी. पटेल, उद्यमिता विशेषज्ञ
७. सुश्री सुकन्या पांडुगला, सहायक निदेशक FDCA
८. श्री समीर सक्सेना, AGM (QA & NPD), GCMMF LTD,आणंद
९. श्री नरेश शाह, प्रबंधक, Quality Assurance, अमूलफेड, डेरी
१०. श्री कश्यप वच्छराजानी, वित्त और बैंकिंग विशेषज्ञ
११. श्री चंद्रमौली पाठक, उद्यमिता और SME विशेषज्ञ
१२. वी.आर. शाह, पूर्व FDCA आयुक्त
१३. डॉ. भरत जैन, सदस्य सचिव GCPC और परियोजना समन्वयक, GCPC ENVIS RP

कवर किये गए प्रमुख विषय

इस कोर्स में क्लास लेक्चर और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग शामिल थे। समापन सेशंस में मूल्यांकन और संबंधित अभ्यास शामिल थे। इस प्रकार कुल २२५ घंटे के कोर्स की रूपरेखा तैयार की गई। ट्रेनिंग कोर्स के मुख्य घटक निम्नानुसार थेः

१. खाद्य, पोषण संबंधी पहलुओं और सुरक्षा मानकों का परिचय।
२. लेबोरेटरी प्रत्यायन (एक्रिडिटेशन) का परिचय
३. खाद्य लेबोरेटरी का पर्यावरण अनुकूल रखरखाव
४. पर्यावरण अनुकूल लेबोरेटरी अपशिष्ट प्रबंधन
५. रासायनिक लेबोरेटरी और सूक्ष्म जीव विज्ञान लेबोरेटरी का परिचय
६. अच्छी खाद्य लेबोरेटरी पद्धतियां
७. खाद्य सुरक्षा, परीक्षण के तरीके, और कार्मिक आवश्यकताएँ आदि, अंशांकन और प्रदर्शन मूल्यांकन और उपभोग्य सामग्रियों / उपकरणों की खरीद, नमूनाकरण और नमूना हैंडलिंग, रसायनों का भंडारण और संचालन, रासायनिक लेबोरेटरी में सुरक्षा, खाद्य गुणवत्ता परीक्षण आदि।
८. भारतीय मानक ब्यूरो की समझ, प्रमाणित मानक संदर्भ सामग्री और खाद्य उत्पादों पर मौलिक विश्लेषण
९. NABL और इसका महत्व, प्रमाणित संदर्भ सामग्री / मानक और संदर्भ, QA मैनुअल, रिपोर्टिंग आदि।
१०. खाद्य उद्योग और टिकाऊपन
११. नमूना लेबलिंग, नियंत्रण और भंडारण, दस्तावेजीकरण
१२. रैपिड टेस्ट से खाद्य पदार्थों में मिलावट का पता लगाना
१३. बुनियादी लेबोरेटरी उपकरण और उनके कार्यों का परिचय
१४. खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता परीक्षण
१५. FSSAI दिशानिर्देश
१६. खाद्य उत्पादों में प्रमाणित संदर्भ सामग्री और मानक और मौलिक विश्लेषण।
१७. उद्यमियों और लघु व्यवसाय स्टार्टअप के लिए लेबोरेटरी परीक्षण, वित्त और बैंकिंग में उद्यमिता के अवसर
१८. अपशिष्ट न्यूनीकरण और हरित/क्लीन उत्पादन
१९. अभ्यास और आकलन

गैलरीः

ट्रेनिंग

ट्रेनिंग का आयोजन कोर्स मॉड्यूल में उल्लिखित विषयों के अनुसार व्यवस्थित रूप से किया गया था। प्रत्येक छात्र को एक ट्रेनिंग किट प्रदान की गई जिसमें ट्रेनिंग मैनुअल, स्टेशनरी आइटम, लेबोरेटरी सुरक्षा गियर जैसे एप्रन, सुरक्षा चश्मे, दस्ताने और नैपकिन आदि शामिल थे। इस ट्रेनिंग के माध्यम से खाद्य परीक्षण और अच्छी लेबोरेटरी पद्धतियों के विभिन्न पहलुओं को विवरण में शामिल किया गया था। बुनियादी विश्लेषणात्मक तकनीकें थीः खाद्य पदार्थों में नमी की मात्रा, राख, एसिड अघुलनशील राख, एसिडिटी, फैट, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, मिनरल्स और मिलावट आदि जैसे सामान्य मापदंडों के लिए परीक्षण विधियाँ।

सीखने और सिखाने की प्रभावी रणनीतियों का पालन करते हुए एक मानकीकृत, तार्किक और व्यवस्थित तरीके से आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए ट्रेनिंग मैनुअल तैयार किया गया है। मैनुअल में सामान्य लेबोरेटरी उपकरणों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं के साथ-साथ BIS विनिर्देशों के अनुसार परीक्षण विधियां प्रदान की गई हैं। ट्रेनिंग मैनुअल में खाद्य ले बोरेटरी में लगे कर्मियों द्वारा पालन की जाने वाली सुरक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण की आवश्यकता का विवरण दिया गया है। इसे लेबोरेटरी कर्मचारियों की समझ में आसानी के लिए खाद्य उद्योग में संचालन के प्रवाह के अनुसार डिजाइन किया गया है। इस व्यापक मैनुअल में ट्रेनर्स की सुविधा के लिए खाद्य लेबोरेटरी के लिए विशिष्ट मानक संचालन प्रक्रियाएं भी दी गई हैं।

फील्ड विज़िट

१. ५ मार्च, २०२२ को अहमदाबाद नगर निगम की अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण सुविधाओं वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य लेबोरेटरी, अहमदाबाद के लिए स्टडी ट्रिप का आयोजन।
२. ९ मार्च, २०२२ को वाडीलाल इंडस्ट्रीज, गांधीनगर के लिए फील्ड विज़िट का आयोजन।
३. ११ मार्च, २०२२ को फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स पर प्रदर्शनी का आयोजन।
४. १२ मार्च, २०२२ को अतुल बेकरी, गांधीनगर के लिए स्टडी टूर का आयोजन।
५. ११ मार्च, २०२२ को VIMTA लेबोरेटरीज़ के लिए फील्ड विज़िट का आयोजन।
६. २१ मार्च, २०२२ को अमूलफेड डेरी, भाट के लिए स्टडी टूर का आयोजन।
७. २६ मार्च, २०२२ को गुजरात लेबोरेटरी के लिए स्टडी ट्रिप का आयोजन।

वाडीलाल इंडस्ट्रीज, गांधीनगर

अमूलफेड डेरी, भाट गांधीनगर

अतुल बेकरी, गांधीनगर

गुजरात लेबोरेटरी, अहमदाबाद

मूल्यांकन और मानदंड

स्तर ६ NSQF योग्यता के लिए मूल्यांकन मानदंड के आधार पर ट्रेनीज़ का अंतिम मूल्यांकन किया गया था। उन्हें उनके संबंधित फील्ड विज़िट की रिपोट, जर्नल, कक्षा प्रस्तुतियों और लिखित परीक्षाओं के लिए भी ग्रेड्स दिए गए थे।

समापन समारोह

दो महीने के ट्रेनिंग प्रोग्राम के समापन के लिए ३१ मार्च २०२२ को समापन समारोह का आयोजन किया गया। ENVIS प्रोजेक्ट की प्रोग्राम ऑफि सर, दिव्या नंबूदिरी ने सत्र की शुरुआत ENVIS योजना और इसके दायरे में भारत भर में आयोजित GSDP कार्यक्रमों के ओवरव्यू के साथ की। CERC के CEO और बोर्ड सचिव श्री उदय मवानी ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और टिकाऊ पर्यावरण के प्रति जीवन के २०३० लक्ष्यों और २०४७ दृष्टिकोण को प्राप्त करने में प्रधान मंत्री की प्रतिबद्धता में CERC-ENVIS के योगदान के लिए मंत्रालय की सराहना का उल्लेख किया। CERC के चेयरमैन श्री प्रफुल अमीन ने समापन भाषण के साथ दर्शकों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने हरित कौशल के महत्व और विद्युत उत्पाद परीक्षण और खाद्य परीक्षण में CERC के योगदान का उल्लेख किया। विशिष्ट अतिथि श्री सुमित सेंगर, BIS प्रमुख, अहमदाबाद ने श्रोताओं को BIS मानकों और भारत में इसके विकास के बारे में बताया। मुख्य अतिथि, श्री कल्पित गांधी, प्रबंध निदेशक, वाडीलाल इंडस्ट्रीज ने BIS द्वारा गुणवत्ता मानकों और FSSAI द्वारा स्वच्छता मानकों के बारे में अपने विचार साझा किए, जिनकी निगरानी और यूरोप और अन्य विकसित देशों के मानकों पर खरा उतरने के लिए अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। सुश्री सुकन्या पोंडुगला, सहायक निदेशक, FSSAI ने छात्रों से कहा कि वे गुणवत्ता विश्लेषक के

रूप में काम करते समय अपनी रिपोर्टिंग में समझौता न करें। सुश्री अनिंदिता मेहता, ENVIS कोऑर्डिनेटर और CGM CERC ने GSDP सर्टिफिकेट प्रोग्राम में शामिल नई पहल और आयामों जैसे औद्योगिक विज़िट और कुछ प्रसिद्ध विशेषज्ञ लेक्चर्स के बारे में बात की। सुश्री दीपिका चौहान, परियोजना प्रमुख, CERC ने फील्ड विज़िट के लाभों और कार्यक्रम के दौरान आयोजित विशेषज्ञ लेक्चर्स के बारे में बताया।

CERC-ENVIS रिसोर्स पार्टनर की प्रोग्राम ऑफिसर, सुश्री दिव्या नंबूदिरी द्वारा वोट ऑफ़ थैंक्स दिया गया और पूरे कार्यक्रम का संचालन CERC-ENVIS की इन्फॉर्मेशन ऑफिसर, सुश्री अपेक्षा शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन मंच पर मौजूद गणमान्य व्यक्तियों और कार्यक्रम में आने वाले विशिष्ट अतिथियों द्वारा छात्रों को GSDP पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान करने के साथ हुआ।

प्लेसमेंट गतिविधि

सभी ट्रेनीज़ के CV के साथ प्लेसमेंट ब्रोशर तैयार किया गया था और इसे संभावित नियोक्ताओं जैसे परीक्षण लेबोरेटरियों, खाद्य उद्योग और अनुसंधान संस्थानों आदि को भेजा गया था।

कुछ उम्मीदवारों का प्लेसमेंट ड्राइव परिशील लेबोरेटरीज, VIMTA लेबोरेटरीज, CERC, गुजरात लेबोरेटरी आदि के साथ किया गया। एक उम्मीदवार को CERC द्वारा रासायनिक लेबोरेटरी में सहायक के रूप में नियुक्त किया गया। ट्रेनीज़ को सार्वजनिक/ निजी क्षेत्र में नौकरियों और परीक्षण और इंटरव्यूज़ के लिए कैसे तैयार किया जाए, इसके बारे में कैरियर मार्गदर्शन दिया गया। जो लोग व्यवसाय स्टार्टअप का विकल्प चुनना चाहते थे, उन्हें विशेषज्ञों से उद्यमिता मार्गदर्शन प्रदान किया गया था और ट्रेनिंग पूरा होने के बाद भी सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया था।

फीडबैक

मैं देवास, मध्य प्रदेश से वैदेही आप्टे हूं। मुझे इस कोर्स के बारे में GSDP वेबसाइट से पता चला। कोर्स को थ्योरी, प्रैक्टिकल और फील्ड विज़िट जैसे तीन भागों में विभाजित किया गया था। थ्योरी सेशन को उच्च शिक्षित विशेषज्ञों द्वारा संबोधित किया गया था जिनके साथ हमें बातचीत करने और नेटवर्क बनाने का मौका मिला। हमें विभिन्न लेबोरेटरियों और खाद्य प्रोसेसिंग यूनिटों में ले जाया गया, जहाँ हमें क्रमशः विभिन्न खाद्य विश्लेषण, परीक्षण और प्रोसेसिंग के बारे में जानने को मिला। प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के दौरान हमने खाद्य नमूनों के गुणवत्ता विश्लेषण और खाद्य अपमिश्रण के बारे में बुनियादी ज्ञान प्राप्त किया। सुश्री कनकलता गोस्वामी ने बहुत अच्छा प्रायोगिक ट्रेनिंग विश्लेषण और परीक्षण प्रदान किया। अंत में, मैं CERC-ENVIS की पूरी टीम को उनके उदार सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं।

- वैदेही आप्टे

मैं नासिक, महाराष्ट्र से दृष्टि हलोली हूं। मुझे YouTube चैनल के माध्यम से कोर्स के बारे में पता चला। हमें AMC, गुजरात लेबोरेटरी और VIMTA लेबोरेटरियों जैसी बहुत अच्छी लेबोरेटरियों में जाने का मौका मिला। हमने कुछ खाद्य प्रोसेसिंग उद्योगों जैसे वाडीलाल इंडस्ट्रीज, मदर डेरी और अतुल बेकरी की भी विज़िट की। हमें कुछ उच्च प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा उन विषयों पर दिलचस्प लेक्चर दिए गए जिनसे मैं पूरी तरह अनजान थी। बाद में हमें CERC लैब में खाद्य परीक्षण की हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग दी गई। CERC स्टाफ बहुत मददगार और केयर करने वाला था। हमें ट्रेनिंग का जो अवसर प्रदान किया गया उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं और चिरंतनता को बढ़ावा देने के लिए इस तरह की पहल करने के लिए मैं मंत्रालय को भी धन्यवाद देती हूं। मुझे बहुत खुशी है और इस कोर्स का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। मैं निश्चित रूप से अपने साथियों और दोस्तों के लिए इस कोर्स की सिफारिश करूंगी। खाद्य परीक्षण क्षेत्र में चिरंतनता को बढ़ावा देने के लिए यह कोर्स मेरे लिए बहुत मददगार रहा और समाज के लिए भी फायदेमंद होगा।

धन्यवाद!

- दृष्टि हलोली

मुझे इस कोर्स के बारे में एक दोस्त से पता चला। मुझे खाद्य परीक्षण और नई लेबोरेटरी स्थापित करने के लिए जिन मापदंडों पर विचार किया जाना चाहिए उनके बारे में जानने को मिला। मुझे कुछ वरिष्ठतम फैकल्टी से इस विषय पर अपने ज्ञान को बढ़ाने का मौका मिला। मुझे HPLC, GC, IC, UV - VIS आदि जैसे परिष्कृत उपकरणों और विभिन्न लेबोरेटरियों और उद्योगों की फील्ड विज़िट के दौरान विभिन्न फूड प्रोसेसिंग विधियों के बारे में और अधिक जानने को मिला। मुझे यह अवसर देने के लिए मैं CERC-ENVIS का धन्यवाद देता हूं जो भविष्य में मेरे लिए मददगार साबित होगा।

- आशीष राणपुरा

'पर्यावरणीय मानदंड के लिए एनर्जी एफिशियंसी, स्टार लेबलिंग और अन्य इलेक्ट्रिकल परीक्षण के लिए लेबोरेटरी तकनीशियन/ टेक्निकल असिस्टेंट' पर सर्टिफिकेट कोर्स

सुश्री श्वेता महाजन
ट्रेनिंग इन-चार्ज और जनरल मैनेजर - इलेक्ट्रिकल
कंज्यूमर एजुकेशन एंड रिसर्च सेन्टर, अहमदाबाद

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उसके लिए हरित कौशल अविभाज्य हैं क्योंकि ऊर्जा दक्षता कौशल (एनर्जी एफिशिएंसी स्किल्स) और नवीकरणीय ऊर्जा कौशल सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं और इस प्रकार पर्यावरण संरक्षण में योगदान करते हैं। हमारा कोर्स टिकाऊ पर्यावरण की ओर उन्मुख है। २६४ घंटे के हमारे ट्रेनिंग प्रोग्राम में हम ऊर्जा की खपत को कम करने और ग्रीनहाउस गैसों को घटाने के बारे में ज्ञान प्रदान कर रहे हैं और कार्बन फुट प्रिंट को कम करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए आत्म-प्रेरणा विकसित करने के लिए ट्रेनिंग भी प्रदान कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे सक्षम इंजीनियरों और तकनीशियनों को तैयार करना है जो हरित कौशल को समझ सकते हों और अमल कर सकते हों और बाद में ऊर्जा के विकास और उपयोग में योगदान कर सकते हों जो पर्यावरण के अनुकूल हो। जलवायु लचीलेपन में सुधार के लिए तकनीकों, उत्पादों और प्रक्रियाओं को डिजाइन करने और अपनाने के कौशल पर ज्ञान प्राप्त करके उम्मीदवार घरेलू और उद्योग स्तर पर भी ऊर्जा दक्षता उपाय करने में सक्षम हो जाते हैं।

उम्मीदवारों का चयन

ट्रेनिंग कोर्स के लिए विज्ञापन अखबार में, वेबसाइट और अन्य सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिया गया था। इस कोर्स के लिए कुल १३९ आवेदन प्राप्त हुए थे। प्रासंगिक योग्यता वाले उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया और चयन समिति (ऑफ़लाइन और ई-प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से भी) द्वारा फाइनल इंटरव्यू आयोजित किए गए। उम्मीदवारों का चयन उनकी तकनीकी और मूल क्षमताओं के आधार पर किया गया था।

ट्रेनिंग प्रोग्राम का उद्घाटन

उद्घाटन समारोह ७ फरवरी, २०२२ को CERC के सम्मेलन हॉल में आयोजित किया गया था। समारोह की शुरुआत CERC के CEO और बोर्ड सचिव श्री उदय मावानी के स्वागत भाषण के साथ हुई थी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, CERC-ENVIS की सलाहकार सदस्य डॉ. अशोका घोष ने प्रतिभागियों को GSDP की संरचना और इसके लाभों, हरित कौशल और सतत विकास लक्ष्यों के बारे में ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया और उन्हें टिकाऊ भविष्य में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

CERC ENVIS की प्रोग्राम ऑफिसर, सुश्री दिव्या नंबूदिरी ने छात्रों को CERC में ENVIS परियोजना के तहत की गई गतिविधियों और पर्यावरण-लेबलिंग और पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के महत्व के बारे में जानकारी दी। जनरल मैनेजर, इलेक्ट्रिकल एवं कोर्स इन-चार्ज, सुश्री श्वेता महाजन ने इस कोर्स के माध्यम से तकनीकी कौशल के साथ हरित कौशल प्राप्त करने के महत्व और लाभों पर छात्रों को संबोधित किया। विभाग प्रमुखों द्वारा उम्मीदवारों को CERC के दृष्टिकोण के बारे में भी बताया गया।

ट्रेनिंग

ट्रेनिंग प्रोग्राम की अवधि ०७/०२/२०२२ से ०५/०४/२०२२ तक थी। सभी ट्रेनीज़ को कोर्स सामग्री के साथ बैग दिए गए जिसमें ट्रेनिंग मैनुअल, स्क्रू ड्राइवर सेट, सुरक्षा हेलमेट, स्टेशनरी सामान, मास्क और सैनिटाइज़र थे। ट्रेनिंग मैनुअल में ये विषय शामिल किये गए - परीक्षण सेटअप की तैयारी के लिए आवश्यक लेबोरेटरी उपकरणों का परिचय, परीक्षण करने के लिए आवश्यक उपकरणों और औजारों का परिचय, परीक्षण के दौरान आवश्यक उपभोज्य सामग्रियों, उपकरणों के अंशांकन पर ज्ञान, परीक्षण प्रणाली का निरीक्षण, प्राथमिक रखरखाव और इंटरमीडिएट चेक/ क्रॉस सत्यापन सहित प्रत्येक विश्लेषण के रिकॉर्ड रखने के लिए मानकीकृत प्रारूप आदि। इसमें विद्युत (इलेक्ट्रिकल) परीक्षण और लेबोरेटरी संचालन के लिए अनिवार्य सुरक्षा आवश्यकताओं और सरलीकृत परीक्षण प्रक्रियाओं के साथ लेबोरेटरी मान्यता के लिए गुणवत्ता प्रणाली को भी शामिल किया गया है। मैनुअल में, टिकाऊ भविष्य के लिए उद्योग द्वारा अपनाई गई स्टार लेबलिंग मानदंड और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं की अवधारणाओं को पर्यावरण अनुकूल स्टार लेबल वाले विद्युत उत्पादों की पहचान करने, ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा स्टार लेबलिंग मानदंड के तहत कवर किए गए विद्युत उत्पादों पर विवरण, पर्यावरण मानदंड के लिए परीक्षण तकनीक, जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों में योगदान करने के लिए ऊर्जा बचाने के लिए युक्तियों और आदतों के साथ सतत विकास के लिए हरित कौशल के तरीकों के साथ सरल बनाया गया है। गुजरात क्लीनर प्रोडक्शन सेंटर, ENVIS - रिसोर्स पार्टनर, गांधीनगर द्वारा ट्रेनीज़ को क्लीनर उत्पादन और अपशिष्ट न्यूनीकरण पर एक अन्य मैनुअल प्रदान किया गया था।

कवर किये गए प्रमुख विषय

नौकरी चाहने वालों से उद्योग की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इस कोर्स को बनाया गया है। इसे व्यापक बनाने के लिए उद्योग विशेषज्ञों और विषय विशेषज्ञों से सुझाव लिए गए थे, जिसमें पेशेवर ज्ञान, पेशेवर कौशल, मूल कौशल, जिम्मेदारी और प्रक्रिया के मामले में क्षमता स्तरों की विस्तृत श्रेणी शामिल है।

१. विद्युत उत्पाद परीक्षण लेबोरेटरी के लिए अनिवार्य सुरक्षा आवश्यकताएं।
२. अनुरूपता मूल्यांकन के विवरण में प्रासंगिक परीक्षण विधियां।
३. पर्यावरण अनुकूल स्टार लेबल वाले विद्युत उत्पादों की पहचान के तरीके।
४. गुणवत्ता प्रणाली और तकनीकी आवश्यकताएं।
५. ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी द्वारा एनर्जी स्टार लेबलिंग मानदंड के तहत कवर किए गए विद्युत उत्पादों का विवरण, पर्यावरण मानदंड के लिए परीक्षण तकनीक।
६. जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों में योगदान करने के लिए ऊर्जा लागत बचाने के लिए युक्तियों और आदतों के साथ सतत विकास के लिए हरित कौशल।
७. सबमर्सिबल पंप सेटों के लिए ऊर्जा दक्ष मोटरों के निर्माण की प्रक्रिया, क्षतियों की गणना और दक्षता का पता लगाना।
८. विद्युत उत्पादों, घरेलू उपकरणों और एक्सेसरीज द्वारा उत्पन्न शोर के कारण पर्यावरण प्रदूषण।
९. शोर का मापन और शोर को कम करने के तरीके।
१०. निर्माताओं द्वारा पालन की गई हरित पद्धतियां।

११. विद्युत मशीनों में हाल के रुझान।

१२. हरित भविष्य के लिए अक्षय ऊर्जा उत्पाद (प्रकार और मूल बातें)।

विद्युत उत्पादों और घरेलू उपकरणों पर प्रायोगिक ट्रेनिंग

कोर्स मॉड्यूल में उल्लिखित विषयों के अनुसार व्यवस्थित रूप से प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी गई थी। उम्मीदवारों को ध्वनि स्तर माप, वायु प्रवाह माप, ऊर्जा खपत और स्टार लेबल के लिए व्युत्पन्न परीक्षणों (डेरिवेशन के लिए एक्सपोजर दिया गया था, जिसके साथ इन विद्युत उत्पादों पर प्रदर्शन भी आयोजित किया गया था - LED लैंप, LED फ्लोरोसेंट ट्यूब, LED नाइट लैंप, स्टार रेटेड पंखे, फैन रेगुलेटर, एक्सहॉस्ट पंखे, फ्रेश एयर पंखे, रेफ्रिजरेटर, हैंड ब्लेंडर, मिक्सर / ग्राइंडर और फूड प्रोसेसर। उम्मीदवारों ने इसका ज्ञान प्राप्त किया कि कैसे बिजली की खपत में कमी से बिजली की मांग में कमी आती है और जीवाश्म ईंधन (कोयला की मांग अपने आप कम हो जाती है जो कार्बन फुट प्रिंट में कमी में मदद करती है। इस प्रकार, गणितीय और वैज्ञानिक सहित इंजीनियरिंग के प्राकृतिक दर्शन, इंजीनियरिंग संचालन के शुद्ध सिद्धांत और रखरखाव और दृष्टिकोण के दर्शन के ज्ञान पर सही समझ दी गई थी।

सबमर्सिबल पंप सेट्स की परीक्षण पर प्रदर्शन

उम्मीदवारों को सबमर्सिबल पंप सेट पर भारतीय मानकों की व्याख्या की कार्यप्रणाली के बारे में मुख्य विनिर्देश और संशोधन के अन्य प्रासंगिक संदर्भों के साथ समझाया गया। उन्हें परीक्षण करने के लिए आवश्यक परीक्षण प्रणालियों, उपकरणों, औजारों और परीक्षण सेटअप से परिचय कराया गया। मात्रात्मक वैज्ञानिक डेटा, स्प्रेड शीट और ग्राफ प्राप्त करने के लिए उन्हें उपकरण विश्लेषण से अच्छी तरह वाकिफ किया गया था। उन्हें अनुक्रमिक प्रकार के परीक्षणों और उत्पादों के D-सेक्शन के लिए एक्सपोजर दिया गया।

इंटरनल और एक्सटर्नल फैकल्टी सदस्यः

निम्नलिखित इंटरनल और एक्सटर्नल फैकल्टी सदस्यों/विशेषज्ञों ने अपनी प्रस्तुतियों से ट्रेनिंग प्रोग्राम को रोचक और सफल बनाया है।

इंटरनल फैकल्टी

१. सुश्री श्वेता महाजन, जनरल मैनेजर - इलेक्ट्रिकल, CERC

२. श्री जिगर डोडिया, असिस्टेंट इंजीनियर - इलेक्ट्रिकल, CERC

एक्सटर्नल फैकल्टी

१. श्री मिहिर वसावडा (विषय विशेषज्ञ)
विषयः ऊर्जा कुशल मशीनें (नवीनतम रुझान)

२. श्री जी.टी. पंचाल (उद्योग विशेषज्ञ)
विषयः मोटरों में बिजली की क्षति

३. श्री गोविंद झाला (उद्योग विशेषज्ञ-प्रदर्शनों के लिए)
विषयः पंप सेटों की ऊर्जा दक्षता के मापन के लिए परीक्षण तकनीकें

४. श्री अरविंद सोथा (उद्योग विशेषज्ञ-प्रदर्शनों के लिए)
विषयः IS ८०३४, IS९२८३ और IS११३४८ के अनुसार परीक्षणों पर प्रदर्शन।

५. डॉ. भरत जैन, सदस्य सचिव GCPC और परियोजना समन्वयक, GCPC ENVIS RP
विषयः स्वच्छ उत्पादन, अपशिष्ट न्यूनीकरण और हरित उत्पादन

६. श्री हिरेन सेठ (स्टार्ट अप)
विषयः उत्पाद टिकाऊपन पर स्टार्ट अप

७. श्री अतुल शाह (विषय विशेषज्ञ)
विषयः अक्षय ऊर्जा - व्यावहारिक दृष्टिकोण

८. श्री धर्मेंद्र पंचाल (उद्योग विशेषज्ञ)
विषयः उद्योगों में ऊर्जा दक्षता के लिए आधुनिक CNC मशीनें।

उद्यमिता को एक्सपोजर देने के लिए इन फैकल्टी सदस्यों को आमंत्रित किया गया

१. श्री कश्यप वच्छराजानी,
विषयः उद्यमियों के लिए वित्त और बैंकिंग।
२. श्री चंद्रमौली पाठक, उद्यमिता विकास
विषयः उद्यमिता और लघु व्यवसाय स्टार्टअप।

फील्ड विज़िट/ औद्योगिक एक्सपोजर

१. मैस्कॉट पंप्स लिमिटेड की विज़िट
२. जे. के. लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड की विज़िट
३. इंडो-जर्मन टूल रूम की विज़िट
४. BIS, अहमदाबाद की विज़िट
५. उमिया इंडस्ट्रीज की विज़िट
६. iHub सेंटर, LD इंजीनियरिंग कॉलेज, अहमदाबाद की विज़िट
७. गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, GISC सेंटर, अहमदाबाद के इनोवेशन और स्टार्ट अप सेंटर की विज़िट।

गैलरी

मैस्कॉट पंप्स लिमिटेड की विज़िट

गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, GISC सेंटर, अहमदाबाद

इंडो-जर्मन टूल रूम की विज़िट

उमिया इंडस्ट्रीज की विज़िट, अहमदाबाद

कैरियर परामर्श और उम्मीदवारों की नियुक्ति

पेशेवर कौशल और नेतृत्व गुणों के साथ व्यावसायिकता और नैतिकता, पारस्परिक बातचीत, गुणवत्ता जागरूकता, जवाबदेही और उद्योग की जरूरतों के लिए योग्यता स्तरों के लिए कैरियर परामर्श सेशन आयोजित किए गए थे। कंपनी इंटरव्यू के अवसर और अनुभव देने के लिए, निम्नलिखित कंपनियों के HR विभागों से अनुरोध किया गया था।

ला-गज्जर मशीनरी प्रा. लिमिटेड अहमदाबाद, वाटरमैन इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, चांगोदर, सॉलेंस बैटरी, अमूलफेड डेरी, MBH पंप्स प्राइवेट लिमिटेड, निर्मल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, सोलर इंडस्ट्री, वड़ोदरा, सोलर इंडस्ट्री, गांधीनगर, सोलिओस सोलर पावर लिमिटेड, साइंस सिटी, अहमदाबाद, MSEB, ऑर्डनेन्स फैक्टरी, NTPC, सोलर पैनल प्लांट, मुंद्रा।

ट्रेन्ड उम्मीदवारों का अंतिम मूल्यांकन

स्तर ६ NSQF योग्यता के लिए मूल्यांकन मानदंड के आधार पर ट्रेनीज़ का अंतिम मूल्यांकन किया गया था। उम्मीदवारों का योग्यता के लिए मूल्यांकन सीखने की क्षमताओं, समूहों में काम करने की क्षमता, स्वतंत्र रूप से परीक्षण करने की क्षमता और टिप्पणियों के साथ परीक्षण परिणामों के निष्कर्ष की प्रस्तुति के आधार पर उनके साथ दैनिक बातचीत के आधार पर किया गया था। होटल पेज वन में आयोजित समापन समारोह के दौरान सफल ट्रेनीज़ को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए थे।

समापन समारोहः

इस समारोह की शुरुआत CERC के CEO और बोर्ड सचिव श्री उदय मावानी के स्वागत भाषण से हुई। समापन भाषण CERC के अध्यक्ष श्री प्रफुल अमीन ने दिया। इस अवसर के मुख्य अतिथि श्री कल्पित गांधी, निदेशक और CFO, वाडीलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड थे। BIS अहमदाबाद के प्रमुख, श्री सुमित सेंगर विशिष्ट अतिथि थे। सुश्री सुकन्या पोंडुगला, सहायक निदेशक FSSAI, पश्चिमी क्षेत्र ने मुख्य भाषण दिया। सुश्री श्वेता महाजन, महाप्रबंधक विद्युत

एवं पाठ्यक्रम प्रभारी ने उम्मीदवारों के प्लेसमेंट विवरण के साथ पिछले ३ वर्षों के दौरान सफलतापूर्वक संचालित विद्युत पाठ्यक्रमों पर प्रकाश डाला। सुश्री दीपिका चौहान, परियोजना प्रमुख CERC और निदेशक परिशील प्रयोगशाला ने खाद्य पाठ्यक्रम का विवरण दिया है। सुश्री अनिंदिता मेहता, ENVIS प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर और CGM CERC ने GSDP २०२२ के नए आयामों और आगे की राह पर भाषण दिया। सुश्री दिव्या नंबूदिरी, प्रोग्राम ऑफिसर CERC ENVIS ने धन्यवाद ज्ञापन किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन CERC ENVIS की इन्फॉर्मेशन ऑफिसर सुश्री अपेक्षा शर्मा ने किया।

फीडबैक

- फेनी पटेल

मैं सूरत से फेनी पटेल हूं। जब से मैंने GSDP इलेक्ट्रिकल कोर्स जॉइन किया है, मुझे इलेक्ट्रिकल टेस्टिंग और एनर्जी कैलकुलेट करने के तरीके के बारे में और अधिक जानने को मिला। मैंने स्टार्टअप पर विशेषज्ञ लेक्चर का भी आनंद लिया। हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग बहुत जानकारीपूर्ण थी और ऊर्जा प्रतिरोध, बिजली शॉक का परीक्षण, पर्यावरण मानकों के मापन और ध्वनि स्तर पर नए विषयों को सीखा। मुझे यह अवसर देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

- भूमेश हटवार

मेरा नाम भूमेश हटवार है। मैं महाराष्ट्र के एक छोटे से शहर से ताल्लुक रखता हूं। मुझे इस कोर्स के बारे में अपने दोस्त से पता चला। कोर्स इन-चार्ज और विशेषज्ञों द्वारा दिए गए लेक्चर बहुत जानकारीपूर्ण थे। चिरंतनता पर ज्ञान को बढ़ाने के लिए प्रैक्टिकल ट्रेनिंग को डिज़ाइन किया गया था। फील्ड विज़िट बहुत ज्ञानवर्धक थे। न केवल मेरा ज्ञान बढ़ाने के लिए बल्कि मेरे आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए CERC और टीम को धन्यवाद। बहुत-बहुत धन्यवाद ।

- मुकित अखुनजी

GSDP कोर्स पूरा करने के बाद, मुझे स्टार लेबलिंग और ऊर्जा दक्षता के बारे में और अधिक जानने को मिला। कोर्स के दौरान जे. के. लक्ष्मी, मैस्कॉट पंप आदि जैसे कई उद्योगों की फील्ड विज़िट आयोजित की गई। इन उद्योगों की विज़िट के बाद मैंने महसूस किया कि पर्यावरण को बचाते हुए सफल व्यवसाय भी चलाया जा सकता है। प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग बहुत मददगार था। मैं CERC की पूरी टीम को धन्यवाद देता हूं।

CERC
Since 1978

WORKING TOWARDS A SUSTAINABLE ENVIRONMENT
ENVIS INDIA

पर्यावरण सूचना प्रणाली का संक्षित नाम ENVIS है जो पर्यावरण सूचना संग्रह, मिलान, भंडारण, पुनर्प्राप्ति और नीति निर्माताओं, निर्णयकर्ताओं, वैज्ञानिका और पर्यावरणविदों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों के प्रसार के लिए योजना केरूप में छठी पंचवर्षीय योजना के अंत में पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा लागू की गई थी। पर्यावरण और वन मंत्रालय ने कंज्यूमर एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर (CERC), अहमदाबाद को 'इनवार्नयमेंट लिट्रसी- इको-लेबर्लीग एंड इको-फ्रेंडली प्रोडक्टस' पर जानकारी एकत्र करने और प्रसारित करने के लिए एक संसाधन भागीदार के रूप में चुना है। इस ENVIS रिसोर्स पार्टनर का मुख्य उद्देश्य इको उत्पादों, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय इको लेबलिंग कार्यक्रमों के बारे में जानकारी का प्रसार करना है।

पत्रिका का मुद्रण और प्रकाशन

कंज्यूमर एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर की ओर से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, CERC-ENVIS रिसोर्स पार्टनर,

५०७-८, ५वीं मंजिल साकार ॥ बिल्डिंग, एलिसब्रिज के किनारे, एलिसब्रिजशॉपिंग सेंटर के पीछे, एलिसब्रिज, अहमदाबाद - ३८० ००६, गुजरात, भारत। फोनः ०७९-६८१८१६००/२८/२९

cerc@cercindia.org <cerc@cercindia.org>;
http:// ww.cercenvis.nic.in/
@EcoProductsEcoLabeling
@cerc_envis
@CERC - ENVIS

हमें लिखेंः हम आपके विचारों और सुझावों को महत्व देते हैं। कृपया इस अंक पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें। हम इको उत्पाद और इको लेबलिंग पर आपके योगदान भी आमंत्रित करते हैं।

डिसक्लेमर

इस न्यूज़लेटर में प्रयुक्त सामग्री अनिवार्य रूप से CERC या ENVIS के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। प्रकाशन में दिए गए चित्रों का उद्देश्य केवल सेकंडरी स्त्रोतसे जानकारी प्रदान करना है।

मुद्रण

प्रिंट एक्सप्रेस, अहमदाबाद।